

ये अव्यक्त इशारे

## निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

**30-07-2023**

नम्रता और रहम की भावना अभिमान की महसूसता नहीं कराती। जैसे मुरलियों को सुनते हो तो उसमें अथॉरिटी के बोल हैं लेकिन उससे कोई अभिमान नहीं लगता। तो भल शब्द कितने भी सख्त हों लेकिन अभिमान न लगे, जितनी अथॉरिटी उतना ही नम्रता और रहम भाव हो।

### **Be humble and construct the new world**

Feelings of humility and mercy do not allow you to have ego. When you listen to the murlis, it has words of authority, but there isn't any feeling of ego in that. So, no matter how harsh the words may be, let there not be any feeling of ego. To the extent that you have authority, also have just as much humility and feelings of mercy.

